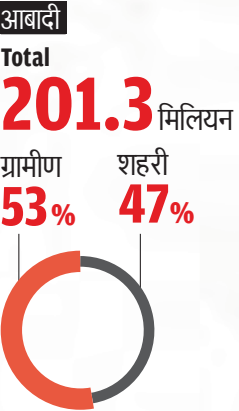


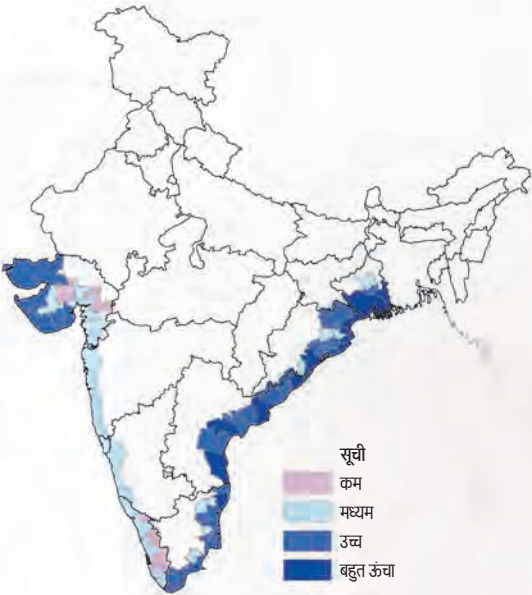
तट और द्वीप

7,517 किलोमीटर भारतीय तट को पश्चिमी तट, पूर्वी तटीय मैदान और जैव विविधता युक्त समृद्ध भारतीय द्वीपों में विभाजित किया जा सकता है। यह क्षेत्र समुद्र स्तर के बढ़ने के कारण लगातार, गंभीर चक्रवात और समुद्री प्रवेश जैसे जलवायु परिवर्तन प्रभावों से प्रभावित हो रहा है।



जलवायु परिवर्तन के रुझान

चक्रवात
गुजरात में कच्छ क्षेत्र और पूरे पूर्वी तटीय क्षेत्र में चक्रवात की उच्चतम घटनाएं होने का अनुमान है



स्रोत : राम राव सीए, एट अल, एटलस ऑन वलनरबिलिटी ऑफ इंडियन एग्रीकल्चर टु क्लाइमेट चेंज, सेंट्रल रिसर्च इंस्टिट्यूट फॉर ड्रा। लैंड एग्री कल्चर, हैदराबाद, 2013

राज्यवार अनुमान और प्रभाव

गुजरात



न्यूनतम औसत तापमान में 0.5 डिग्री सेल्सियस की कमी (1891-1996)



अधिकतम औसत तापमान 0.5 डिग्री सेल्सियस वृद्धि (1891-1996)

प्रभाव और संवेदनशीलता

- जूनागढ़ और पोरबंदर जिलों में चक्रवात की तीव्रता और आवृत्ति में बढ़ोतरी देखी जाएगी
- 2030 के दशक तक पश्चिमी तट में 6-8 % वर्षा में वृद्धि

महाराष्ट्र



न्यूनतम औसत तापमान में वृद्धि 2.2 डिग्री सेल्सियस (2021-50 तक)



अधिकतम औसत तापमान में वृद्धि 1.8 डिग्री सेल्सियस (2021-50 तक)



‘उच्च’ और ‘बहुत अधिक’ वर्षा वाले दिनों की संख्या बढ़ेगी (2079-99 तक)

प्रभाव और संवेदनशीलता

- एक मीटर की सागर स्तर की वृद्धि राज्य के 0.18 प्रतिशत हिस्से को कम करेगी
- जलवायु परिवर्तन के लिए ठाणे सबसे संवेदनशील है

कर्नाटक



तापमान में 1.7-2.2 डिग्री सेल्सियस (2030 तक) वृद्धि



पिछले 50 वर्षों में मॉनसून की वर्षा में 6% की कमी आई है

प्रभाव और संवेदनशीलता

- दक्षिणी कन्नड़ और उडुपी में 28% तट का क्षरण
- 2050 तक चावल की पैदावार में 10-15% गिरावट आएगी

केरल



तापमान में वृद्धि (तटीय क्षेत्रों में) 2.1 डिग्री सेल्सियस (2030 तक)



बरसात के दिनों की संख्या घटेगी; वर्षा की तीव्रता 1-4 मिमी/दिन तक बढ़ेगी



सागर के जलस्तर में वृद्धि: 1.3 मिमी + - 0.7 मिमी/वर्ष

प्रभाव और संवेदनशीलता

- नारियल की पैदावार 30% तक बढ़ने का अनुमान है

तमिलनाडु



न्यूनतम औसत तापमान में वृद्धि 3.4 डिग्री सेल्सियस (2100 तक)



अधिकतम औसत तापमान में वृद्धि 3.4 डिग्री सेल्सियस (2100 तक)



8-14 मिमी/दिन (2100 तक) वार्षिक वर्षा तीव्रता में वृद्धि

सागर के जलस्तर में वृद्धि: 0.32 मिमी/वर्ष

प्रभाव और संवेदनशीलता

- सागर के जल के घुसने से पीने के पानी के स्रोत प्रभावित होंगे, 13 जिले पहले ही प्रभावित हैं
- छह तटीय जिलों में तीव्र चक्रवात

आंध्र प्रदेश



तापमान में वृद्धि 2.5 डिग्री सेल्सियस (2020 के दशक की तुलना में 2080 तक)



भविष्य में मामूली वृद्धि

प्रभाव और संवेदनशीलता

- तटीय क्षेत्रों में मछली पकड़ने में कमी
- तापमान में उतार चढ़ाव सर्दियों की फसल पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा
- नारियल का उत्पादन 10% तक बढ़ेगा

ओडिशा



तापमान में वृद्धि (तटीय क्षेत्रों में 2021-50 तक) 1.5-2.0 डिग्री सेल्सियस



उच्च तीव्रता के साथ कम बरसात के दिन (2020 तक)

प्रभाव और संवेदनशीलता

2020 तक जुलाई-अक्टूबर के दौरान चक्रवात की तीव्रता में वृद्धि होगी

पश्चिम बंगाल



तापमान में वृद्धि 1.8-2.4 डिग्री सेल्सियस (2021-50 तक)



थोड़ा या कोई बदलाव नहीं है



सागर के जलस्तर में वृद्धि: सागर स्तर की वृद्धि वैश्विक दर से अधिक होगी (2020 तक)

प्रभाव और संवेदनशीलता

- सागर वृद्धि ऊंचाई 7.46 मीटर तक बढ़ सकती है
- कोलकाता समुद्र जलस्तर की वृद्धि से बुरी तरह प्रभावित होगा। इससे 10 लाख लोग प्रभावित होंगे और 2 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर की संपत्ति का जोखिम उठाना पड़ेगा
- 2030 तक आलू का उत्पादन 4-16% घट सकता है

समुद्र तल में एक मीटर की वृद्धि भारत में 7.1 मिलियन लोगों को विस्थापित करेगी

गुजरात

पश्चिम बंगाल

ओडिशा

महाराष्ट्र

आंध्र प्रदेश

गोवा

कर्नाटक

तमिलनाडु

लक्षद्वीप

केरल